Hindi Murli Quiz19-07-2015

Q.1) **Q. "सच्चे साहेब के बच्चे आप हो साहेबजादे और साहेबजादियाँ सो भविष्य में शहजादे-शहजादियाँ। भविष्य जीवन के सर्व संस्कार इस जीवन से ही आरम्भ होते हैं। भविष्य में राज्यवंश वा राज्य-अधिकारी होने के कारण सदा सर्व-सम्पत्ति से सम्पन्न हर वस्तु में मालामाल, सदा राजाई की रॉयल्टी में हर जन्म बितायेंगे। सर्व प्राप्तियाँ हरेक के जीवन में चारों ओर सेवा प्रति चक्कर लगाती रहेंगी। हर वैभव अपना-अपना सुख देने के लिए सदा एवररेडी होंगे। सदा खुशी की शहनाईयाँ ऑटोमेटिकली बजती रहेंगी।"**

A. True
B. False

Q.2) **Q. आज कि मुरली में बापदादा ने स्वर्ग में वनस्पति, वृक्ष, जड़ी-बूटियां, मसाले और पंछियों आदि की विशेषताओं का सुन्दर वर्णन किया है जिसका सही वाक्य चयन करके स्पष्ट करें ---**

A. वृक्ष के पत्तों का झूलना, हिलना भिन्न-भिन्न प्रकार के नैचुरल साज होंगे।
B. पंछियों की बोली वैराइटी साज होगी, आपके इशारे पर मनोरंजन करेंगे।
C. चेतन खिलौने के समान पंछी अनेक प्रकार के खेल दिखायेंगे।
D. जैसे यहाँ अलग-अलग मीठा अथवा मसाला आदि डालकर रसना करते हो, वैसे वहाँ नैचुरल फल भिन्न-भिन्न रसना के होंगे।
E. यह पत्तों की सब्जियाँ नहीं होगी लेकिन फूलों और फलों की सब्जियाँ बनायेंगे।

Q.3) **Q. आज कि मुरली में बापदादा ने स्वर्ग में पानी, दूध और फल आदि की विशेषताओं का सुन्दर वर्णन किया है जिसका सही वाक्य चयन करके स्पष्ट करें ---**

A. स्वर्ग में दूध की तो नदियाँ होंगी।
B. नैचुरल रस के फल अलग होंगे, खाने के अलग और पीने के फल अलग होंगे।
C. मेहनत करके रस निकालना नहीं पड़ेगा। बस फल उठाया, जरा-सा दबाया और रस पी लिया।
D. नैचुरल पहाड़ों में खुशबूदार बूटियाँ क्रास करते हुए सुन्दर खुशबू वाला जल होगा।
E. नैचुरल पंछियों की आवाज पर आप लोग उठेंगे। जागेंगे सवेरे ही, लेकिन सदा ही जैसे जागती ज्योति हैं।

Q.4) **Q. "स्वर्ग में न हार्ड वर्क है, न बुद्धि का वर्क है, न कोई बोझ है इसलिए जागना और सोना समान है। जैसे अभी सोचते हो न कि सवेरे उठना पड़ेगा, वहाँ यह संकल्प ही नहीं। मुख्य सबजेक्ट वहाँ की ड्राइंग है। छोटे, बड़े सब चित्रकार होंगे। गायन विद्या के संगीत गायेंगे, खेलेंगे, इसी में पढ़ाई पढ़ेंगे। वहाँ की हिस्ट्री भी संगीत और कविताओं में होगी, नाटक हँसी के मनोरंजन के होंगे। वहाँ के महलों के अन्दर भी विमानों की लाइन लगी होगी, एटामिक एनर्जी के आधार पर सब काम चलेगा। यह आप लोगों के कारण लास्ट इन्वेन्शन निकली है।"**

A. True
B. False

Q.5) **Q. साज, ड्रेस, ताज, गहने आदि श्रृंगार एवं महल के विषय में वर्णित चित्र, सही वाक्य चयन करके प्रस्तुत करें -–**

- **A.** ☐ रतन जड़ित नेचुरल साज होंगे। अंगुली रखी और बजा।
- **B.** ☐ ड्रेस तो बहुत अच्छी पहनेंगे। जैसा कार्य व स्थान होगा वैसी ड्रेस होगी।
- **C.** ☐ श्रृंगार भी बहुत प्रकार के होंगे। भिन्न-भिन्न प्रकार के ताज होंगे।
- **D.** ☐ गहने रूई से भी हल्के होंगे, रीयल गोल्ड होगा और उसमें भिन्न-भिन्न रंग की लाइट्स नजर आयेंगी।
- **E.** ☐ सोने की लाइट और हीरों की लाइट अर्थात् चमक दोनों के मेल से महल जगमगाता हुआ नजर आयेगा।
- **F.** ☐ सूर्य की किरणों से हीरे और सोना ऐसे चमकेंगे जैसे हजारों लाइट्स जल रही हैं।
- **G.** ☐ वहाँ रीयल हीरों के होने के कारण एक दीपक अनेक दीपकों का कार्य करेगा। ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। सब नैचुरल होगा।

Q.6) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	भाषा तो बहुत शुद्ध हिन्दी ही होगी।	1	कौन सी गेट-पास ली है, यह चेक करना।
B	महल तो केवल भारत में बनेंगे।	2	हर शब्द वस्तु को सिद्ध करेगा।
C	विमान शुरू किया और आवाज से भी पहले पहुँच जायेंगे।	3	जिस समय जो चाहिए वह यूज करो।
D	विमान भी फैमली के भी होंगे और एक-एक के भी होंगे।	4	इसलिए फोन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
E	बाप के साथ स्वर्ग के गेट पास करने की पास होना चाहिये।	5	विदेश में पिकनिक के स्थान, घूमने के स्थान होंगे।

Q.7) **Q. "करेन्सी में अशार्फियाँ होंगी। निमित्त मात्र लेन-देन होगी। जैसे यहाँ मधुबन में अलग-अलग डिपार्टमेंट बनाए हुए हैं, एक देता है दूसरा लेता है। ऐसे वहाँ भी फैमिली सिस्टम होगा। दुकानदार और ग्राहक का भाव नहीं होगा। सिर्फ आपस में एक्सचेन्ज करेंगे, कुछ देंगे कुछ लेंगे। कमी तो किसी को भी नहीं होगी। प्रजा भी अपने शरीर निर्वाह से पदमगुणा भरपूर होगी इसलिए मैं ग्राहक हूँ, यह मालिक है - यह भाव नहीं रहेगा। स्नेह की लेन-देन होगी। हिसाब-किताब की खींचातान नहीं होगी। रजिस्टर नहीं होंगे।"**

- **A.** ○ True
- **B.** ○ False

Q.8) **Q. सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

- **A.** ☐ अपनी राजधानी को सजाने के लिए याद और सेवा का बैलेन्स रखो।
- **B.** ☐ जब हर संकल्प में सेवा होगी तो व्यर्थ से छूट जायेंगे।
- **C.** ☐ जैसे शरीर में सब अंग जरूरी हैं, वैसे ब्राह्मण जीवन का विशेष अंग सेवा है।
- **D.** ☐ स्थान मिलना, संग मिलना, सेवा का चान्स मिलना - यह भी भाग्य की निशानी है।
- **E.** ☐ एकरस स्थिति बनाने का सहज साधन - एक बाप से सर्व सम्बन्धों का अनुभव करो।

Q.9) **Q "अभी केवल एक की याद में रहना है। जहाँ देखो वहाँ एक को ही देखो। इसी को ही भावना के कारण भक्ति में सर्वव्यापी कह दिया है। वह कह देते तू ही तू परन्तु आप सदा बाप के साथ का अनुभव करते हो। पूरा अधिकार लेने के लिए पुराना सब-कुछ देना पड़े। जब एक शब्द बदल जाता है अर्थात् मेरा तेरे में बदल जाता है तो डबल लाइट हो जाते हैं। तब सदा ऊपर उड़ते रहेंगे अर्थात् ऊंची स्थिति में रहेंगे।"**

- **A.** ○ True
- **B.** ○ False

Q.10) **Q. कमजोरियाँ रुपी कलियुगी पर्वत को सही वाक्य चयन करके स्पष्ट करें -–**

- **A.** ☐ दिलशिकस्त होना।
- **B.** ☐ किसी भी संस्कार वा परिस्थिति के वशीभूत होना।
- **C.** ☐ व्यक्ति वा वैभवों के तरफ आकार्षित होना।
- **D.** ☐ दृढ़ संकल्प की अंगुली देकर सदाकाल के लिए विजयी बनना।
- **E.** ☐ उंच स्थिति का स्तम्भ बनकर सर्वगुणों के स्तम्भ बनना।